



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 216]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, मई 14, 1992/वैशाख 24, 1914

No. 216]

NEW DELHI, THURSDAY, MAY 14, 1992/VAISAKHA 24, 1914

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

विन मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 14 मई, 1992

सं. 11/92-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क (एन टी)

मा.का.नि. 495(अ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और  
नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 6 और धारा 37  
द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम,  
1944 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है,  
अर्थात्:—

2.(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क (चौथा  
संशोधन) नियम, 1992 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

3. केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 में, नियम 2 के उपनियम  
(ii) के खण्ड (आ) के पश्चात् आने वाले "और इसके अन्तर्गत अपर  
कलक्टर" शब्दों के स्थान पर "और इसके अन्तर्गत अपर कलक्टर केन्द्रीय  
उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 के अध्याय 6 के प्रयोजनों  
के सिवाय" शब्द, अंक और अक्षर रखे जाएंगे।

4. केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 (जिसे इसमें इसके पश्चात्  
उक्त नियम कहा गया है) में, अनुभाषन से संबंधित अध्याय 8 और उसके  
अधीन बनाए गए नियमों के स्थान पर निम्नलिखित अध्याय और नियम  
रखे जाएंगे, अर्थात्:—

"अध्याय 8

रजिस्ट्रीकरण

174 (1) प्रत्येक व्यक्ति, जो संसाधन करता है, उत्पादन करता है,  
विनिर्माण करता है, थोक व्यापार करता है, दलाल या कमीशन अभिकर्ता  
के रूप में व्यौहार करता है, प्राइवेट भाण्डागार कक्ष या भाण्डागार धारण  
करता है या अन्यथा उत्पाद-शुल्क माल का उपयोग करता है, रजिस्टर  
कराएगा और अधिकारिता वाले रेंज अधिकारी या ऐसे अधिकारी को ऐसे  
प्रत्येक में, जो बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाए, ऐसे रजिस्ट्रीकरण के  
लिए आवेदन किए बिना संसाधन, उत्पादन, विनिर्माण, थोक व्यापार में नहीं  
लगेगा, दलाल या कमीशन अभिकर्ता के रूप में व्यौहार नहीं करेगा, प्राइ-  
वेट भाण्डागार कक्ष या भाण्डागार में संचय नहं करेगा या उत्पाद शुल्क  
माल का उपयोग नहीं करेगा।

(2) केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और सीमाशुल्क बोर्ड, राजपत्र में अधि-  
सूचना द्वारा और ऐसी शर्तों या परिमिताओं के अधीन रहते हुए, जो ऐसी  
अधिसूचना में विनिर्दिष्ट की जाएं, उपनियम (1) में विनिर्दिष्ट व्यक्तियों  
में से ऐसे व्यक्ति या ऐसे वर्ग के व्यक्तियों को विनिर्दिष्ट कर मकेगा, जिन्हें  
ऐसा रजिस्ट्रीकरण अभिप्राप्त करने की आवश्यकता नहीं है।

(3) यदि रजिस्ट्रीकरण की अपेक्षा करने वाले परिसर एक से अधिक हैं, तो वह प्रत्येक ऐसे परिसर के लिए पृथक् रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र अधि-प्राप्त करेगा।

(4) दिया गया प्रत्येक रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र, विनिर्दिष्ट प्रकृत में होगा और ऐसे प्रमाणपत्र में विनिर्दिष्ट परिसरों के लिए ही विधिवान्त होगा।

(5) जहाँ कोई रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति अपने कारबार का दूसरे व्यक्ति को अन्तरण करता है, वहाँ अन्तरिती नये प्रमाणपत्र अधिप्राप्त करेगा;

(6) जहाँ कोई रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति फर्म या कम्पनी या व्यक्तियों का संगम है वहाँ ऐसी फर्म, कम्पनी या व्यक्तियों के संगम के गठन में कोई परिवर्तन केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिकारी को प्रमाण-पत्र में निगमन के लिए ऐसे परिवर्तन के तीस दिन के भीतर संसूचित किया जाएगा।

(7) यदि कोई रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति नए उत्पाद का विनिर्माण करना चाहता है तो वह उस उत्पाद को अपने रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र पर पृथकीकृत करवाएगा;

(8) प्रत्येक रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति, जो उस संक्रिया या उन संक्रियाओं को, जिसके/जिम्मे लिए वह रजिस्ट्रीकृत है, करना बन्द कर देता है, अपने रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र को तुरन्त अस्पष्टित कर देगा।

(9) समुचित अधिकारी किसी आवेदन की प्राप्ति के तीस दिन के भीतर इस नियम के अधीन रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र देने के लिए अग्रसर होगा, यदि रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र उक्त कालावधि के भीतर नहीं दिया जाता है तो आवेदिन रजिस्ट्रीकरण संसूचित किया गया समझा जाएगा।

(10) प्रत्येक रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति रजिस्ट्रीकृत परिसरों के सहजदुश्य भाग में अपना रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र (या उसकी प्रमाणित प्रति) प्रदर्शित करेगा।

(11) इस नियम के अधीन दिए गए किसी रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र को समुचित अधिकारी द्वारा प्रसिद्ध या निलम्बित किया जा सकता है, यदि यह पाया जाता है कि उसके धारक या उसके नियोजन में किसी व्यक्ति ने अधिनियम या इन इन नियमों की शर्तों में से किसी का भंग किया है या उसे भारतीय दंड संहिता (1860 का 43) की धारा 109 या धारा 116 के साथ पठित धारा 161 के अधीन किसी अपराध के लिए दोषसिद्ध रह गया है।

5. उक्त नियमों में, अध्याय 6 को छोड़कर, "अनुज्ञप्ति", "अनुज्ञप्त" और "अनुज्ञप्तधारी" शब्दों के स्थान पर जहाँ-जहाँ वे आते हैं, क्रमशः "रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र", "रजिस्ट्रीकृत" और "रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति" शब्द रखे जाएंगे।

6. उक्त नियमों के नियम 197 के स्थान पर, निम्नलिखित रखा अर्थात्:—

"197—कलक्टर द्वारा इस निमित्त सम्यक् रूप से सशक्त किसी अधिकारी की, इन नियमों के अधीन रजिस्ट्रीकृत किसी परिसर में और किसी ऐसे स्थान तक जहाँ उत्पाद शुल्कय माल को उपाया जाता है, प्र-संस्कृत किया जाता है, भाण्डारित किया जाता है, बेचा जाता है/या विनिर्मित किया जाता है या किसी ऐसे स्थान पर जहाँ दियसलाई के मिर्चों के लिए सम्मिश्रण या दियसलाईयों के विनिर्माण के लिए शोरा बनाया जाता है, प्रसंस्कृत किया जाता है, सभी युक्तियुक्त समयों पर ऐसी संवीक्षा, सत्यापन और जांच ऐसी शर्तों और परिस्तीमाओं के अधीन रहते हुए, जो बोर्ड, प्रधान कलक्टर या कलक्टर द्वारा समय-मसय पर जारी किए गए अनुदेशों में विनिर्दिष्ट की जाएं, करने के लिए पहुंच होनी।

7. उक्त नियमों के नियम 233 में "केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और सीमा-शुल्क बोर्ड;" शब्दों के पश्चात् "प्रधान कलक्टर" शब्द अन्तर्भावित किए जाएंगे।

[फा. सं. 213/2/92-के. उ. शु. -6]

मंत्रि(श्री), अवर सचिव

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 14th May, 1992

No. 11/92-CENTRAL EXCISES(N.T.)

G.S.R. 495(E).—In exercise of the powers conferred by Section 6 and Section 37 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Central Excise Rules, 1944, namely :—

2.(1) These rules may be called the Central Excise (Fourth Amendment) Rules, 1992.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

3. In the Central Excise Rules, 1944, in rule 2 in sub-rule (ii) for the words "and includes an Additional Collector" occurring after Clause (B), the words, letter and figures "and includes an Additional Collector, except for the purposes of Chapter VI A of the Central Excises and Salt Act, 1944," shall be substituted.

4. In the Central Excise Rules, 1944 (hereinafter referred to as the said rules), for Chapter VIII relating to Licensing and the rules, thereunder, the following chapter and the rule shall be substituted, namely :—

## "CHAPTER VIII

### REGISTRATION

174(1) Every person, who cures, produces, manufactures carries on wholesale trade, deals as a broker or commission agent, holds private store-room or warehouse or otherwise uses excisable goods, shall get registered and shall not engage in the curing, production, manufacture, wholesale trade, dealing as broker or commission agent, storing in private store room or warehouse or use excisable goods without having applied for such registration to the jurisdictional range officer or such officer in such forms as may be specified by the Board.

(2) The Central Board of Excise and Customs, may, by notification in the Official Gazette, and subject to such conditions or limitations as may be specified in such notification, specify person or class of persons from amongst the persons specified in sub-rule (1) who need not obtain such registration.

(3) If there are more than one premises requiring registration he shall obtain separate registration certificate for each of the premises.

(4) Every registration certificate granted shall be in the specified form and shall be valid only for the premises specified in such certificate.

(5) Where a registered person transfers his business to another person the transferee shall obtain a fresh certificate.

(6) Where a registered person is a firm or a company or association of persons, any change in the constitution of such a firm, company or association of persons, shall be intimated to the Central Excise Officer within thirty days of such a change for incorporation in the certificate.

(7) In case a registered person desires to manufacture a new product, he shall get the product endorsed on his registration certificate.

(8) Every registered person, who ceases to carry out the operation or operations he is registered for, shall surrender his registration certificate immediately.

(9) The proper officer shall proceed to grant a Registration Certificate under this rule within thirty days of the receipt of an application. If registration certificate is not granted within the said period, the registration applied for shall be deemed to have been granted.

(10) Every registered person shall exhibit his registration certificate (or a certified copy thereof) in a conspicuous part of the registered premises.

(11) Any registration certificate granted under this rule may be revoked or suspended by the proper officer, if the holder or any person in his employ, is found to have committed a breach of any conditions of the Act or these rules or has been convicted of an offence under section 161, read with section 109 or with section 116 of the Indian Penal Code (45 of 1860)."

5. In the said rules, except in Chapter VI, for the words "Licence" "Licensed" and "Licensee" wherever they occur, the words, "Registration Certificate", "Registered" and "Registered person" shall respectively be substituted.

6. For rule 197 of the said rules, the following rule shall be substituted, namely :—

"197—Any officer duly empowered by the Collector in this behalf shall have access, at all reasonable times, to any premises registered under these rules and to any place where excisable goods are grown, processed or stored, sold or manufactured or to any place where composition of match heads or salt petre for manufacture of matches are made, processed or stored, for carrying out such scrutiny, verification and checks subject to such conditions and limitations as may be specified in the instructions issued by the Board, the Principal Collector or the Collector from time to time."

7. In rule 233 of the said rules, after the words "Central Board of Excise and Customs", the words "Principal Collectors" shall be inserted.

[F. No. 213/2/92-CX.6]  
MEENAKASHI, Under Secy.

प्रधिसूचना

नई दिल्ली, 14 मई, 1992

सं. 12/92-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क (एन टी)

सा.का.नि. 496(अ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 174 के उपनियम (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना लोक हित में आवश्यक और समीचीन है, निम्नलिखित अधिसूचनाओं को विरहित करती है :—

11/88-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क तारीख 15-04-1988  
299/79-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क तारीख 08-12-1979  
24/83-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क तारीख 11-02-1983  
305/77-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क तारीख 05-11-1977  
127/87-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क तारीख 29-04-1987  
260/76-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क तारीख 07-10-1976

[सा. स. 213/2/92-के. उ. शू.-6]

मीनाकशी, अवसर सक्षिप्त

## NOTIFICATION

New Delhi, the 14th May, 1992

NO. 12/92-CENTRAL EXCISES (NT)

G.S.R. 496(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (2) of Rule 174 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government being satisfied that it is necessary and expedient in the public interest so to do, hereby rescinds the following notifications :—

11/88-Central Excise dated 15-04-1988  
299/79-Central Excise dated 08-12-1979  
24/83-Central Excise dated 11-02-1983  
305/77-Central Excise dated 05-11-1977  
127/87-Central Excise dated 29-04-1987  
260/76-Central Excise dated 07-10-1976

[F. No. 213/2/92-CX.6]  
MEENAKASHI, Under Secy.

प्रधिसूचना

नई दिल्ली, 14 मई, 1992

सं. 12/92-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क (एन टी)

सा.का.नि. 197(अ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 174 के उपनियम (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना लोक हित में आवश्यक और समीचीन है, उक्त नियमों के नियम 174 के प्रवर्तन के ऐसे व्यवस्थाओं को, जो केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क तैरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की धनसूची में विनिर्दिष्ट भाग का विनिर्माण



करने हैं, अब तक के लिए छूट देनी है जब तक कि उक्त माल पर प्रभाय शुल्क की दर शून्य रहती है या जब तक वह माल उस पर उद्ग्रहणीय समस्त उत्पाद-शुल्क से छूट प्राप्त रहती है।

परन्तु जहां माल पर प्रभाय शुल्क की दर शून्य हो या जहां उस पर उद्ग्रहणीय समस्त उत्पाद-शुल्क से निम्नलिखित आधारों पर छूट दी गई हो,—

- (क) माल के मूल्य के आधार पर; या
- (ख) माल के विनिर्माण की प्रक्रिया के आधार पर; या
- (ग) इस आधार पर कि माल के विनिर्माण में प्रयुक्त कच्चे माल की वास्तव मयुचित उत्पाद-शुल्क का संदाय कर दिया गया है; या
- (घ) किसी वित्त वर्ष में माल की निर्यात की मूल्य या मात्रा के आधार पर; या
- (ङ) उक्त अनुसूची में विनिर्दिष्ट ऐसे माल की वास्तव शर्तों के, यदि कोई हों, अधधीन; या
- (च) उक्त नियमों के नियम 8 के उपनियम (1) या केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 5क की उपधारा (1) जैसी भी स्थिति हो, के अधीन जारी की गई किसी अधिसूचना में विनिर्दिष्ट शर्तों, यदि कोई हों, के अधधीन;

जहां विनिर्माता पहली बार छूट का दावा करने समय और उसके बाद प्रत्येक वित्त वर्ष की 15 अप्रैल से पूर्व इससे उपावद्ध प्रकृप में विनिर्दिष्ट घोषणा करता है और बचनबंध करता है:

परन्तु यह और कि जहां उक्त माल पर उद्ग्रहणीय समस्त उत्पाद-शुल्क से छूट किसी वित्त वर्ष में की गई निर्यातियों के मूल्य के आधार पर दी गई हो जहां इस अधिसूचना की कोई बात लागू नहीं होगी, यदि ऐसे उक्त माल का कुल मूल्य, जिसकी निकासी देशी उपभोग के लिए,

- (i) किसी एक विनिर्माता ने एक या अधिक कारखानों में की हो, या
- (ii) किसी एक या अधिक विनिर्माताओं ने किसी कारखाने में की हो;

पूर्ववर्ती वित्त वर्ष में बीस लाख रुपए से अधिक हुआ गया था या चातुर्वित्त वर्ष में बीस लाख रुपए हो जाता है।

2. उपर किसी बात के होने हुए भी जहां, यथास्थिति, निर्यात-शुल्क एकक या मुक्त व्यापार जोन में किसी एकक को सीमाशुल्क अधिनियम, 1982 के उपबन्धों के अधीन अनुज्ञप्त या नियुक्त किया जाता है वहां ऐसे निर्यात-शुल्क एकक या मुक्त व्यापार जोन में के एकक को केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम 1944 के नियम 174 के प्रयोजन के लिए रजिस्ट्रीकृत समझा जाएगा।

प्रकृप

मेरा में,  
सहायक कमिशनर,  
केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

.....

मैं/हम ..... घोषणा करता हूँ/करती हूँ/करते हैं कि मैं/हम अनुसूची में प्रस्तुत जानकारी मेरे/हमारे, सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार सही और पूर्ण है।

मैं/हम बचनबंध करता हूँ/करती हूँ/करते हैं कि मैं/हम समुचित प्रकृप में केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र के लिए उस समय आवेदन करूंगा/करूंगी/करेंगे जैसे ही उपर अनुसूची में उल्लिखित निर्यात किए गए माल का मूल्य किसी वित्त वर्ष में बीस लाख रुपए तक पहुंच जाता है।

मैं/हम बचनबंध करता हूँ/करती हूँ/करते हैं कि मैं/हम समुचित प्रकृप में केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क रजिस्ट्रीकरण के लिए उस समय आवेदन करूंगा/करूंगी/करेंगे जैसे ही अनुसूची में उल्लिखित माल शुल्क से प्रभाय हो जाता है।

मैं/हम बचनबंध करता हूँ/करती हूँ/करते हैं कि मैं/हम ऐसा अभिलेख रखा/रखूंगी/रखेंगे और ऐसी प्रक्रिया का अनुसरण करूंगा/करूंगी/करेंगे जो कलभट्ट छूट प्राप्त माल के संबंध में विहित करे।

मैं/हम यह बचनबंध भी करता हूँ/करती हूँ/करते हैं कि मैं/हम उक्त अनुसूची में प्रस्तुत किसी जानकारी में होने वाले परिवर्तन की सूचना देगा/देगी/देने।

#### अनुसूची

1. कारखाने के मालिक स्वस्थकारी/समी भारतीय/कंपनी के निदेशक का नाम और पता।
2. कारखाने का नाम और पता।
3. ऐसे अन्य कारखाने/विनिर्माताओं (जो ऐसे माल का उत्पादन कर रहे हैं) का नाम और पता जिनमें छूट का दावा करने वाले विनिर्माता का मांपरिक हित है।
4. कारखाने द्वारा विनिर्मित माल का पूर्ण विवरण (शीर्ष/बार)
5. पूर्ववर्ती वित्त वर्ष के दौरान निर्यात किए गए माल का मूल्य मात्रा।
6. चातुर्वित्त वर्ष में अनुमानित निर्यात किए गए माल का मूल्य/मात्रा।
7. केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की अनुसूची का शीर्ष में, या उपशीर्ष संख्या जिसके अधीन माल वर्गीकृत किया है।
- 8 (क) उक्त अनुसूची के शीर्ष/उपशीर्ष या केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 या केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 5क, जैसी भी स्थिति हो, के अधीन जारी की गई ऐसी अधिसूचनाओं के प्रति निर्देश (जिनके अधीन माल को उस पर उद्ग्रहणीय समस्त उत्पाद-शुल्क से छूट दी गई है)
- (ख) उक्त शीर्ष/उपशीर्ष या अधिसूचना के अधीन छूट का आधार।
9. विनिर्माण की प्रक्रिया।

(आवेक के हस्ताक्षर)

टिप्पण: प्रकृप/अनुसूची का वह भाग जो किसी विनिर्दिष्ट विनिर्माता के लिए सूच्यमान न हो काट दिया जाए।

[क्र. सं. 213/2/92-के.उ.शु-6]

सीताधी, अवर सचिव

## NOTIFICATION

New Delhi, the 14th May, 1992

NO. 13/92-CENTRAL EXCISES (NT)

G.S.R. 497(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule(2) or Rule 174 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Board of Excise and Customs, being satisfied that it is necessary and expedient in the public interest so to do, hereby exempts from the operation of rule 174 of the said rules, persons who manufacture goods specified in the Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986), so long as the said goods are chargeable to nil rate of duty or remain exempt from the whole of the duty of excise leviable thereon :

Provided that where the goods are chargeable to nil rate of duty or where the exemption from the whole of the duty of excise leviable thereon is granted,—

- (a) based on the value of the goods; or
- (b) based on the process of manufacture of goods; or
- (c) on the ground that appropriate duty of excise has been paid in respect of the raw materials used in the manufacture of the goods; or
- (d) based on value or quantity of clearance of the goods made in a financial year; or
- (e) subject to conditions, if any, specified in the said Schedule in respect of such goods; or
- (f) subject to conditions, if any, specified in any notification issued under sub-rule (1) of rule 8 of the said rules [or sub-section (1) of section 5A of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944)], as the case may be the manufacturer makes a declaration and gives an undertaking as specified in the Form annexed hereto while claiming exemption for the first time under this notification and hereafter before the 15th day of April of each financial year :

Provided further that where the exemption from the whole of the duty of excise leviable on the said goods is granted, based on the value of clearances made in a financial year, nothing in this notification shall apply if the aggregate value of the said goods cleared,—

- (i) by a manufacturer from one or more factories, or
- (ii) from any factory by one or more manufacturers,

for home consumption either had exceeded during the preceding financial year or exceeds during the current financial year, rupees (twenty lakhs).

2. Notwithstanding anything contained above where a 100% Export Oriented, Unit or a unit in Free Trade Zone is licensed or appointed, as the

case may be, under the provisions of the Customs Act, 1962, such 100% Export Oriented Unit or unit in Free Trade Zone shall be deemed to be registered for the purposes of Rule 174 of Central Excise Rules, 1944.

## FORM

To

The Assistant Collector,  
Central Excise,

.....

I/We . . . . declare that to the best of my/our knowledge and belief the information furnished in the Schedule below is true and complete.

I/We undertake to apply for a Central Excise registration certificate in the proper form as soon as value of the goods, mentioned in the said Schedule cleared in a financial year, reaches rupees twenty lakhs.

I/We undertake to apply for a Central Excise Registration in the proper form as soon as the goods mentioned in the Schedule become chargeable to duty.

I/We undertake to maintain such records and follow such procedure as may be prescribed by the Collector in relation to the exempted goods.

I/We also undertake to intimate any change in the information furnished in the said Schedule.

## THE SCHEDULE

1. Name(s) and address(es) of the proprietors/all partners/Directors of the company owning the factory.
2. Name and address of the factory.
3. Names and addresses of other factories/manufacturers (producing such goods) in whom the manufacturer claiming the exemption has proprietary interest.
4. Full description of the goods (headingwise) manufactured by the factory.
5. Value/quantity of goods cleared during the preceding financial year.
6. Value/quantity of the goods estimated to be cleared in the current financial year
7. Heading No. or sub-heading No. of the Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986) under which the goods are classifiable.
8. (a) Reference to the heading/sub-heading of the said Schedule or the notification issued under rule 8 of the Central Excise Rules, 1944 or Section 5A of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) as the case may be (under which the goods are exempted from the whole of the duty of excise leviable thereon).

(b) Ground of exemption under the said heading/sub-heading of the said notification.

### 9. Process of manufacture.

(SIGNATURE OF THE APPLICANT)

Note : Portion of the Form/Schedule that is not relevant to a particular manufacturer may be deleted.

[F. No. 213/2/92-CX.6]

MEENAKSHI, Under Secy.

अधिसूचना

तारीख: 14 मई, 1992

सं. 14/92-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (एन्टी)

सा.का.नि. 498(अ) :—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सामान्य शुल्क बोर्ड, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 के नियम 174 के उपनियम (2) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित ऐसा करता आवश्यक और समीचीन है, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की अनुसूची के अध्याय 52 के अन्तर्गत आने वाले शक्ति या वाष्प की सहायता के बिना ऐसे सूती फैब्रिकों के प्रसंस्करण में लगे व्यक्तियों को उक्त नियमों के नियम 174 के प्रचालन से छूट देती है जो यथास्थिति, उक्त नियमों के नियम 8 के अर्धीन या केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 5क की उपधारा (1) के अर्धीन केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी की गई किसी अधिसूचना के निबन्धनों के आधार पर उन पर उद्घरणाय समस्त उत्पाद शुल्क से छूट प्राप्त है :

परन्तु इस अधिसूचना में अन्विष्ट छूट बड़ा लागू नहीं होगी अर्थात्—

(i) किसी विनिर्माता द्वारा एक या अधिक कारखानों से, या

(ii) एक या अधिक विनिर्माताओं द्वारा किसी कारखाने में, देश में उपरोक्त के लिये निकासी किये गये उक्त माल की कुल मात्रा चार वित्तीय वर्षों के दौरान यथाप्रवृत्त और यथास्थिति, उक्त नियमों के नियम 8 के अर्धीन या केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 5क की उपधारा (1) के अर्धीन जारी की गई समस्त अधिसूचना में अन्विष्ट छूट की सीमा से पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष के दौरान या चार वित्तीय वर्षों के दौरान अधिक हो गई थी।

परन्तु यह और कि विनिर्माता इस अधिसूचना के अर्धीन पहली बार और तत्पश्चात् प्रत्येक वित्तीय वर्ष के पन्द्रहवें दिन से पूर्व छूट का दावा करते समय इसमें उपाबद्ध प्रत्येक यथाविनिर्दिष्ट एक घोषणा और बचनबन्ध करता है।

प्रत्येक

अधीक्षक,

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क,

.....

मैं/हम-----घोषणा करता/करते हैं कि मेरी/हमारा सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार बोधे अनुसूची में दी गई सूचना सही और पूर्ण है।

मैं/हम वित्तीय वर्ष में निकासी किए गए उक्त अनुसूची में वर्णित माल की मात्रा के छूट की सीमा के 80 प्रतिशत तक पहुंचने की अनुमति प्रत्येक में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क रजिस्ट्रार के लिये आवेदन करता या बचनबन्ध करता है/करते हैं।

मैं/हम ऐसा अधिलेख बनाए रखते और ऐसा प्रक्रिया का अनुसरण करने के लिये बचनबन्ध करता/करते हैं जो कम्प्यूटर द्वारा छूट प्राप्त माल के संबंध में विहित की जाये।

मैं/हम उक्त अनुसूची में दी गई सूचना में किसी परिवर्तन का प्रमाणित करने का बचनबन्ध करता/करते हैं।

अनुसूची

1. कारखाने का स्वामित्व रखने वाले मालिकों के पते/पता (को) /ता/ भागीदारों/निदेशकों के नाम और पते।
2. कारखाने का नाम और पता।
3. (ऐसे माल का निर्माण करने वाले) अन्य कारखानों/विनिर्माताओं के नाम और पते जिनसे छूट का दावा करने वाले विनिर्माता का सम्बन्धित है।
4. कारखाने द्वारा विनिर्मित (मदवार) माल का पूरा वर्णन।
5. पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष के दौरान निकासी किए गए (प्राप्तकृत) माल की मात्रा।
6. चार वित्तीय वर्षों में निकासी किये जाने के लिये प्राप्तकृत माल की मात्रा।
7. केन्द्रीय उत्पाद शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 की अनुसूची का वह शीर्ष संध्या/उप शीर्ष संध्या जिनके अर्धीन माल वर्गीकृत किया है।
8. (क) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 के नियम 8[या केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 5क] के अर्धीन जाने की गई अधिसूचना के प्रति निर्देश (जिनके अर्धीन माल उन पर उद्घरणाय समस्त उत्पाद शुल्क से छूट प्राप्त है)।

(ख) उक्त अधिसूचना की छूट का आधार

9. विनिर्माता का प्रिया।

(आवेदक के हस्ताक्षर)

टिप्पण—प्रत्येक अनुसूची के उस माल का जो किसी विशिष्ट विनिर्माता के लिये समस्त नहीं है नौवकिया जायकेगा।

5

[फा.सं. 213/2/92-के.सं. 6]

मोनाक्षी, अधीक्षक

### NOTIFICATION

New Delhi, the 14th May, 1992.

NO. 14/92-CENTRAL EXCISES (NT)

G.S.R. 498(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (2) of rule 174 of the Central Excise Rules, 1944, Central Board of Excise and Customs, being satisfied that it is necessary and expedient in the public interest so to do, hereby exempts

from the operation of rule 174 of the said rules, person, engaged in processing cotton fabrics without the aid of power or steam falling within Chapter 52 of the Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986), and exempted from the whole of the duty of excise leviable thereon in terms of any notification issued by the Central Government under rule 8 of the said rules, or sub-section (1) of Section 5A of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), as the case may be :

Provided that the exemption contained in this notification shall not apply if the aggregate quantity of the said goods cleared —

- (i) by a manufacturer from one or more factories, or
- (ii) from any factory by one or more manufacturers, for home consumption, either had exceeded during the preceding financial year or exceeds during the current financial year, the exemption limit specified in the relevant notification as in force during the current financial year, and issued under rule 8 of the said rules or sub-section (1) of Section 5A of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), as the case may be :

Provided further that the manufacturer makes a declaration and gives an undertaking as specified in the Form annexed hereto while claiming exemption for the first time under this notification and thereafter before the 15th day of April of each financial year.

### FORM

The Superintendent,  
Central Excise,

I/We....declare that to the best of my/our knowledge and belief the information furnished in the Schedule below is true and complete.

I/We undertake to apply for a Central Excise registration in the proper form as soon as quantity of the goods, mentioned in the said Schedule cleared in a financial year reaches eighty per cent of the exemption limit.

I/We undertake to maintain such records and follow such procedure as may be prescribed by the Collector in relation to the exempted goods.

I/We also undertake to intimate any change in the information furnished in the said Schedule.

### SCHEDULE

1. Name(s) and address(es) of the proprietor's all partners/directors of the company owning the factory.
2. Name and address of the factory.
3. Name and addresses of other factories/manufacturers (producing such goods) in whom the manufacturer claiming the exemption has proprietary interest).

4. Full description of the goods (item wise) manufactured by the factory.
5. Quantity of the goods (estimated) cleared during the preceding financial year.
6. Quantity of the goods estimated to be cleared in the current financial year.
7. Heading No. or sub-heading No. of the Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985, under which the goods are classifiable.
8. (a) Reference to the notification issued under rule 8 of the Central Excise Rules, 1944 (or Section 5A of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) (under which the goods are exempted from the whole of the duty of excise leviable thereon).
- (b) Basis of exemption of the said notification.
9. Process of manufacture.

(Signature of the applicant)

Note :— Portion of the Form/Schedule that is not relevant to a particular manufacturer may be deleted.

[F. No. (213/92-CX 6)]

MEENAKSHI, Under Secy.

प्रतिस्वपना

नई दिल्ली, 14 मई 1992

सं. 15/92—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क (एन टी)

मा. का. नि. 499(अ)—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और सीमाशुल्क बोर्ड, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 174 के उपनियम (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोक हित में ऐसा करना आवश्यक और समीचीन है, उत्पाद शुल्कय माल का (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त माल कहा गया है) विनिर्माण करने वाले सभी व्यक्तिों को नियम 174 के प्रवर्तन से छूट देनी है :

परन्तु यह सब तब जब कि—

- (i) उक्त माल का विनिर्माण सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) द्वारा या उसके अधीन अपेक्षित रूप में भाण्डारकरण प्रक्रिया का अनुसरण करके किया जाता है ;
- (ii) उक्त माल और किसी मध्यवर्ती उत्पाद या उपोत्पाद को, जिसके अन्तर्गत सीमा-शुल्क बंधन के अधीन उक्त माल के विनिर्माण की प्रक्रिया के दौरान उत्पन्न होने वाला अपशिष्ट और उर्विष्ट भी है, सीमाशुल्क अधिनियम भाण्डारण के भारमाध्यक महायुक्त सीमा-शुल्क कलक्टर के परामर्शपरक रूप में नष्ट कर दिया जाता है या देश के बाहर निर्यात कर दिया जाता है ;
- (iii) विनिर्माण इस अधिसूचना के अधीन पहली बार छूट का दावा करने समय और उसके पश्चात् प्रत्येक वित्तीय वर्ष के 15 अप्रैल से पूर्व, इसके साथ उत्पादक प्रकाश में तीन प्रतिशत में घोषणा फाइल करेगा और बचन देगा ; और

- (iv) उसका माल के विनिर्माण में, प्रत्येक कच्ची सामग्री या मध्यवर्ती पर मंडल उत्पाद-शुल्क की वापसी या रिबेट अनुज्ञेय नहीं होगी।

परन्तु यह और कि इस अधिसूचना में अन्तर्लिखित कोई बात उक्त ऐसे माल को लागू नहीं होगी जो उस पर निर्यात किए जाने समय मंडल उत्पाद-शुल्क की रिबेट का हकदार नहीं है या जिसका वंचन के अधीन निर्यात केंद्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1985 के अंतर्गत अनुज्ञेय नहीं है।

परन्तु यह और भी कि इस अधिसूचना में अन्तर्लिखित कोई बात उस वशा में लागू नहीं होगी जब उत्पाद-शुल्क माल और किसी मध्यवर्ती उत्पाद या उपोत्पाद को, जिसके अन्तर्गत उक्त माल के विनिर्माण की प्रक्रिया के दौरान उद्भूत अपशिष्ट और उच्चिष्ट हो है, देश में उपयोग के लिए निर्यात की जाती है।

प्रारूप

सेवा में,

अधीनकार,

केंद्रीय उत्पाद-शुल्क,

मैं/हम -----बोधना करता हूँ/करते हैं कि मेरे/हमारे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार नीचे की अनुसूची में दी गई जानकारी सही और पूर्ण है।

2. मैं/हम अपने द्वारा जन-गणित निर्यात के लिए विनिर्मित और अधिसूचना -----के, अधीन अनुज्ञेय में छूट प्राप्त उक्त माल के निर्यात न किए जाने पर या देश में उपयोग के लिए उपयोगित किए जाने या किसी कारण से शुल्क होने पर सन्तान समूचित रूप में केंद्रीय उत्पाद-शुल्क अनुज्ञेय के लिए आवेदन करने और उक्त पर उत्पाद-शुल्क का मंडाय करने का यत्न देना हूँ/देते हैं।

3. मैं/हम उक्त अनुसूची में दी गई जानकारी में होने वाले परिवर्तन की सूचना देना या तो यत्न देना हूँ/देते हैं।

अनुसूची

1. कारखाने का नाम और पता।
2. सीमाशुल्क अधिनियम अध्यादेश रजिस्ट्रीकरण में, और नाराख।
3. कारखाने में विनिर्मित उक्त माल का (सब के अनुसार) पूरा वर्णन।
4. केंद्रीय उत्पाद-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 (1985 का 5) की अनुसूची की शीर्षक संख्या या उपशीर्षक संख्या, जिसके अंतर्गत उक्त माल का वर्गीकरण किया जा सकता है।
5. पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष के दौरान विनिर्मित उक्त माल का मूल्य/परिमाण।
6. पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष के दौरान निर्यात किए गए उक्त माल का मूल्य/परिमाण।

आवेदक के हस्ताक्षर

[क्र. सं. 213/2/92--के उ. शु. 6]

मोताशी, धवर राविव

## NOTIFICATION

New Delhi, the 14th May, 1992

No. 15/92-CENTRAL EXCISES (NT)

G.S.R. 499(E). In exercise of the powers conferred by sub rule (2) of rule 174 of the Central Excise Rules, 1944, Central Board of Excise and Customs, being satisfied that it is necessary and expedient in the public interest so to do, hereby exempts from the operation of rule 174 all persons manufacturing excisable goods (hereinafter referred to as the said goods): Provided that---

- (i) the said goods are manufactured by following the warehousing procedure as required by or under the Customs Act, 1962 (52 of 1962);
- (ii) the said goods and any intermediary or by-product including the waste and refuse arising during the process of manufacture of the said goods under the Customs Bond are either destroyed or exported out of the country to the satisfaction of the Assistant Collector of Customs, incharge of the Customs Bonded Warehouse.
- (iii) the manufacturer shall file a declaration and give an undertaking in the Form appended hereto, in triplicate while claiming exemption under this notification for the first time and thereafter before the 15th day of April of each financial year: and
- (iv) no drawback or rebate of duty of excise paid on the raw materials or components used in the manufacture of the said goods, shall be admissible.

Provided further that nothing contained in this notification shall apply to the said goods which are not entitled to the rebate of full duty of excise paid thereon on export or whose export under bond is not permissible under the Central Excise Rules, 1944:

Provided also that nothing contained in this notification shall apply if the excisable goods and any intermediary or by-product including the waste and refuse arising during the process of manufacture of the said goods are cleared for home consumption.

FORM

To

The Superintendent,  
Central Excise.

I/We .....declare that to the best of my/our knowledge and belief of the information furnished in the Schedule below is true and complete.



I/We undertake to apply for a Central Excise registration certificate in the proper form and to pay duty of excise thereon as soon as the said goods manufactured by me/us for cent percent export and exempted from licence under notification . . . are not exported or are diverted for home consumption or become dutiable on any count.

I/We also undertake to intimate any change in the information furnished in the said Schedule.

#### SCHEDULE

1. Name and address of the factory.
2. Customs Bonded Warehouse Registration No. and date.

3. Full description of the said goods (itemwise) manufactured in the factory.
4. (Heading No. or sub-heading No. of the Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1985), under which the said goods are classifiable.)
5. Value/quantity of the said goods(\*\*\*\*(\*)) manufactured during the preceding financial year.
6. Value/quantity of the said goods exported during the preceding financial year.

Signature of the applicant

[F.No. 213/2/92-CX.6]

MEENAKSHI, Under Secy.

